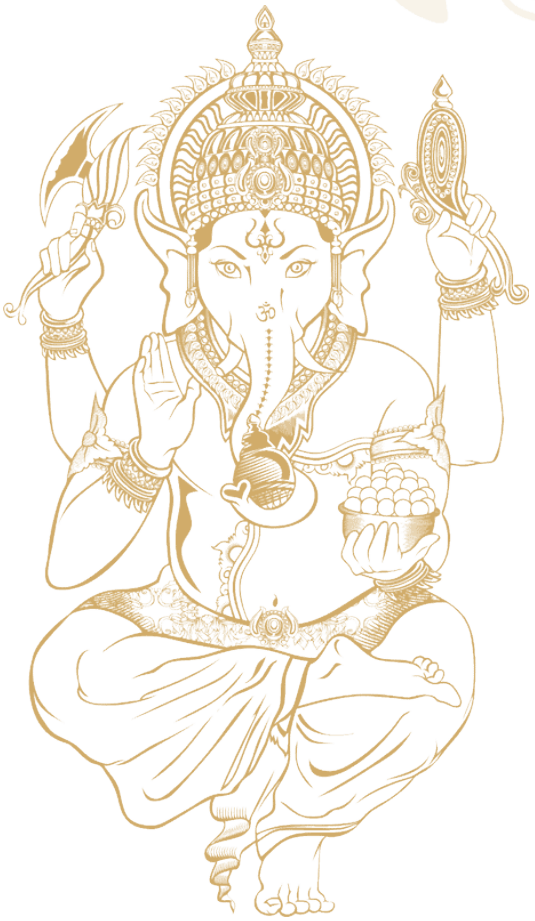

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121127302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/10/1996	जन्म तिथि	06/10/2003
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:10:00	जन्म समय	10:30:00 घंटे
घटी 33:20:03	जन्म समय(घटी)	11:45:11 घटी
India	देश	India
Sasaram	स्थान	Ara
24:58:00 उत्तर	अक्षांश	25:34:00 उत्तर
84:01:00 पूर्व	रेखांश	84:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:04	स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:58	सूर्योदय	05:45:33
17:31:34	सूर्यास्त	17:33:23
23:48:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 4मा 2दि	25:34:18	मेष	लग्न	वृश्चि	20:08:26	मंगल 2वर्ष 11मा 12दि
राहु	23:42:51	कन्या	सूर्य	कन्या	18:37:43	गुरु
12/02/2018	00:21:10	कन्या	चंद्र	कुंभ	01:02:52	17/09/2024
13/02/2036	24:53:34	कर्क	मंगल	कुंभ	06:44:31	17/09/2040
राहु 25/10/2020	08:24:05	कन्या	बुध	कन्या	04:39:43	गुरु 05/11/2026
गुरु 21/03/2023	16:06:07	धनु	गुरु	सिंह	14:28:34	शनि 18/05/2029
शनि 25/01/2026	13:40:10	सिंह	शुक्र	तुला	01:38:26	बुध 24/08/2031
बुध 13/08/2028	09:05:50	मीन व	शनि	मिथु	18:58:18	केतु 30/07/2032
केतु 01/09/2029	14:14:15	कन्या	राहु व	मेष	27:14:25	शुक्र 31/03/2035
शुक्र 01/09/2032	14:14:15	मीन	केतु व	तुला	27:14:25	सूर्य 17/01/2036
सूर्य 26/07/2033	06:49:46	मक	हर्ष व	कुंभ	05:26:07	चन्द्र 18/05/2037
चन्द्र 25/01/2035	01:10:06	मक	नेप व	मक	16:34:17	मंगल 24/04/2038
मंगल 13/02/2036	07:31:10	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:43:13	राहु 17/09/2040

लग्न-चलित

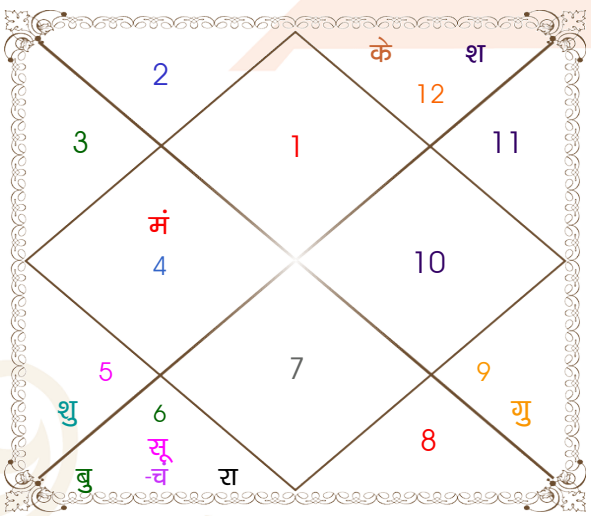

लग्न-चलित

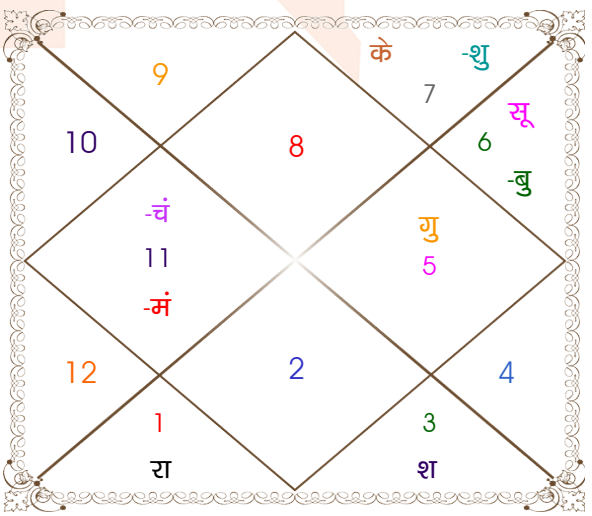

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।